ICICI Foundation For Inclusive Growth
ICICI Bank Towers
Bandra-Kurla Complex
Bandra (E) Mumbai-400051

प्रेस रिलीज 4 अक्टूबर, 2013

शीघ्र प्रकाशन हेतु

आईसीआईसीआई फाउंडेशन ने आईसीआईसीआई एकेडमी फॉर स्किल्स लॉन्च किया

- युवाओं के लिए देश भर में एक व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण देने वाली एकेडमी
- पहले वर्ष में 5000 युवाओं को प्रशिक्षित करेगा
- यह एकेडमी जयपुर, सांगली, पुणे, बेंगलुरू, कोयम्बटूर, चेन्नई और हैदराबाद में केंद्र स्थापित करेगा

जयपुरः आईसीआईसीआई फाउंडेशन फॉर इन्क्लूसिव ग्रोथ (आईसीआईसीआई फाउंडेशन) ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवाओं को एक टिकाऊ आजीविका कमाने में मदद करने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु आज आईसीआईसीआई एकेडमी फॉर स्किल्स के शुभारंभ की आज घोषणा की।

भारत में समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए आईसीआईसीआई समूह की रणनीति के तहत अगले कदम को बताने वाला यह शुभारंभ, अपने संचालन के पहले वर्ष में देश भर में आठ प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से 5000 युवाओं को प्रशिक्षित करेगा। इस कार्यक्रम का लक्ष्य वर्ष 2016 तक देश भर के 15,000 युवाओं को प्रशिक्षित करना है।
पिछले पाँच वर्षों से, आईसीआईसीआई फाउंडेशन ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, टिकाऊ आजीविका के लिए कौशल विकास तथा वित्तीय समावेशन नामक चार प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित रखा है, तथा इसने लोगों को देश के आर्थिक अवसरों में भाग लेने में सक्षम बनाया है। इन पहलों ने देश के 10 मिलियन से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है।

इस शुभारंभ की घोषणा करते हुए आईसीआईसीआई बैंक की प्रबंध निदेशिका एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सुश्री चंदा कोचर ने कहा, ''भारत को इसके जनांकिकीय लाभांश के रूप में अनूठा लाभ प्राप्त है। हालांकि, जनांकिकीय लाभांश को विकास एवं समृद्धि में परिवर्तित करने हेतु रोजगार सृजन की आवश्यकता है और साथ ही इस बात की भी जरूरत है कि युवाओं को कुशल बनाया जा सके, ताकि उन्हें रोजगार अवसरों का लाभ मिल सके। आईसीआईसीआई एकेडमी फॉर स्किल्स के माध्यम से, आईसीआईसीआई समूह समृद्ध भारत, जहां हर व्यक्ति जीविकोपार्जन और राष्ट्र के विकास में भाग लेने के लिए कुशल हो, के सपने को साकार करने में योगदान कर रही है।''

इस पहल की मुख्य विशेषताएं निम्न हैंः

- जयपुर, सांगली और कोयम्बतूर में आवासीय केंद्र, एवं बेंगलुरू, चेन्नई, हैदराबाद, जयपुर और पुणे में आवासीय सुविधा रहित केंद्र। साथ ही, हम पूर्वी भारत में एक केंद्र स्थापित करने की संभावना पर विचार कर रहे हैं।

- युवाओं के लिए छः पाठ्यक्रम उपलब्ध होंगेः स्नातकों के लिए कौशल बिक्री, कार्यालयीय प्रशासन और वेब डिजाइन; कक्षा 10 उत्तीर्ण युवाओं के लिए विद्युतीय और घरेलू उपकरण मरम्मत, रेफ्रिजरेशन और एयरकंडिशनिंग मरम्मत और डीजल जेनरेटर एवं पंप मरम्मत।

- उक्त पाठ्यक्रमों की अवधि लगभग 8-12 हफ्तों की होगी।

- आईसीआईसीआई बैंक ने इन पाठ्यक्रमों के लिए विषय-वस्तु तैयार करने हेतु कई शीर्ष सहयोगियों से साझेदारी की है। इन सहयोगियों में निम्न शामिल हैंः कार्यालयीय प्रशासन के लिए टैली सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, रेफ्रिजरेशन और एयरकंडिशनिंग के लिए ब्ल्यू स्टार लिमिटेड, वेब डिजाइन के लिए एनआईआईटी लिमिटेड और विद्युतीय एवं घरेलू उपकरण मरम्मत के लिए स्नीडर इलेक्ट्रिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।

- आईसीआईसीआई फाउंडेशन एक ऑनलाइन जॉब पोर्टल बनायेगा, जिसमें प्रशिक्षित युवा पंजीकृत किये जायेंगे। इस पोर्टल को संभावित नियोजकों के बीच प्रोमोट किया जायेगा।

आईसीआईसीआई फाउंडेशन फॉर इन्क्लूसिव ग्रोथ के बारे में:

आईसीआईसीआई फाउंडेशन फॉर इन्क्लूसिव ग्रोथ (आईसीआईसीआई फाउंडेशन) समावेशी विकास को बढ़ावा देने के आईसीआईसीआई समूह की विरासत को आगे बढ़ाने तथा उस पर आधारित होने हेतु आईसीआईसीआई समूह द्वारा वर्ष 2008 की शुरुआत में स्थापित किया गया था। आईसीआईसीआई फाउंडेशन देश में आर्थिक अवसरों में बड़े पैमाने पर भाग लेने के लिए आवश्यक प्रमुख समर्थकों हेतु योगदान करके भारत में समावेशी विकास को बढ़ावा देने के प्रयास में है। प्राथमिक स्वास्थ्य, प्राथमिक शिक्षा, कौशल विकास एवं टिकाऊ आजीविका तथा वित्तीय समावेशन सहित पहचाने गए क्षेत्रों में केंद्रित पहल के माध्यम से, आईसीआईसीआई फाउंडेशन क्षमताओं के निर्माण तथा भविष्य में दोहराए तथा बढ़ाए जा सकने वाले नए मॉडल विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है। आईसीआईसीआई एकेडमी फॉर स्किल्स आईसीआईसीआई फाउंडेशन के तत्वावधान में चल रही है।

Except for the historical information contained herein, statements in this release, which contain words or phrases such as 'will', 'would', etc., and similar expressions or variations of such expressions may constitute 'forward looking statements'. These forward-looking statements involve a number of risks, uncertainties and other factors that could cause actual results to differ materially from those suggested by the forward-looking statements. These risks and uncertainties include, but are not limited to our ability to obtain statutory and regulatory approvals and to successfully implement our strategy, future levels of non-performing loans, our growth and expansion in business, the adequacy of our allowance for credit losses, technological implementation and changes, the actual growth in demand for banking products and services, investment income, cash flow projections, our exposure to market risks as well as other risks detailed in the reports filed by us with the United States Securities and Exchange Commission. ICICI Bank undertakes no obligation to update forward-looking statements to reflect events or circumstances after the date thereof. All reference to interest rates, penalties and other terms and conditions for any products and services described herein are correct as of the date of the release of this document and are subject to change without notice. The information in this document reflects prevailing conditions and our views as of this date, all of which is expressed without any responsibility on our part and is subject to change. In preparing this document, we have relied upon and assumed, without independent verification, the accuracy and completeness of all information available from public sources. ICICI Bank and the "I man" logo are the trademarks and property of ICICI Bank. Any reference to the time of delivery or other service levels is only indicative and should not be construed to refer to any commitment by us. The information contained in this document is directed to and for the use of the addressee only and is for the purpose of general circulation only.

For Press Queries:

Sujit Ganguli
ICICI Group
Mumbai
email: ganguli.sujit@icicibank.com

Chinmay Sengupta
Chief Operating Officer
ICICI Foundation For Inclusive Growth
Mumbai
email: chinmay.sengupta@icicifoundation.org

***